सतवास में अतिक्रमण हटाने पहुंचा प्रशासन, मचा बवाल, दंपती ने किया आत्मदाह

- जेसीबी पर पथराव, टीम को जान बचाकर भागना पड़ा
- झुलसे पति-पत्नी इंदौर रेफर, तहसीलदार हटाए गए

नवभारत न्यूज

देवास/सतवास। सतवास नगर के वार्ड क्रमांक 5 में बुधवार को अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान हालात उस समय बेकाबू हो गए, जब कार्रवाई से आक्रोशित दंपती ने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली। घटना के बाद मौके पर भारी हंगामा हुआ और नगर परिषद की जेसीबी मशीन पर पथराव किया गया।हालात बिगड़ने पर तहसीलदार, नगर परिषद और पुलिस की संयुक्त टीम को मौके से भागना पड़ा।

वार्ड क्रमांक 5 निवासी मोहनदास पिता रामदास बैरागी ने तहसीलदार कार्यालय में आवेदन देकर शिकायत की थी कि उनके पड़ोसी संतोष व्यास द्वारा सार्वजनिक नाली पर अतिक्रमण कर मकान का निर्माण कर लिया गया है, जिससे नाली जाम हो गई और पानी की निकासी बाधित हो रही है। बताया जा रहा है कि यह विवाद पिछले कई महीनों से चला आ रहा था। शिकायत के बाद एक दिन पूर्व मंगलवार को सतवास तहसीलदार अरविंद दिवाकर ने मौके का निरीक्षण किया था। इस दौरान अतिक्रमणकर्ताओं द्वारा तहसीलदार के साथ गाली-गलौज की भी बात सामने आई थी। इसके बाद बुधवार को अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई का निर्णय लिया गया।

बुधवार को तहसीलदार अरविंद दिवाकर राजस्व विभाग, नगर परिषद और पुलिस बल की संयुक्त टीम के साथ अतिक्रमण हटाने पहुंचे। टीम में कोटवार भी शामिल थे, जबकि मौके पर पुलिस बल की संख्या कम बताई जा रही है। जैसे ही कार्रवाई शुरू हुई, अतिक्रमण हटाए जा रहे मकान के मालिक संतोष व्यास और उनकी पत्नी जय श्री व्यास ने विरोध स्वरूप खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली। आग लगते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों को बचाया और आग बुझाई। आत्मदाह की घटना के बाद मौके पर मौजूद लोग उग्र हो गए। गुस्साए लोगों ने नगर परिषद की जेसीबी मशीन पर पथराव कर दिया। स्थिति बिगड़ती देख तहसीलदार, नगर परिषद और पुलिस की संयुक्त टीम को मौके से भगाना पड़ा।

आत्मदाह के प्रयास में झुलसे संतोष व्यास और उनकी पत्नी जय श्री व्यास को पहले सतवास के शासकीय अस्पताल में प्राथमिक उपचार दिया गया। इसके बाद दोनों की हालत को देखते हुए उन्हें इंदौर रेफर किया गया है। घटना की सूचना मिलते ही सतवास थाना पुलिस मौके पर पहुंची। कुछ देर बाद एसडीओपी कन्नौद आदित्य तिवारी भी घटनास्थल पर पहुंचे और लोगों को समझाइश देकर स्थिति को नियंत्रित किया।

परिजनों ने गोली चलने का लगाया आरोप

सतवास में अतिक्रमण हटाने के दौरान हुए आत्मदाह के प्रयास की घटना के बाद अब एक नया दावा सामने आया है। आत्मदाह करने वाले दंपति के परिजनों का कहना है कि घटना के कुछ समय बाद उनके ऊपर गोली चलाई गई। परिजनों ने आरोप लगाया है कि यह फायर नारायण सोनी द्वारा किया गया। परिजनों के अनुसार मौके पर दो बार फायरिंग की आवाज भी सुनी गई। हालांकि आधिकारिक तौर पर अब तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि गोली किसने चलाई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

लोगों ने किया थाने का घेराव-घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने सतवास थाने का घेराव किया और तहसीलदार मुर्दाबाद के नारे लगाए। परिजन और स्थानीय लोग तत्कालीन तहसीलदार अरविंद दिवाकर पर एफआईआर दर्ज करने की मांग करते रहे। घटना के बाद प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई करते हुए सतवास तहसीलदार अरविंद दिवाकर को हटाकर देवास भेज दिया गया है। उनके स्थान पर पूर्व में सतवास तहसीलदार रह चुके हरिओम ठाकुर को सतवास का प्रभारी तहसीलदार नियुक्त किया गया है। इस मामले को लेकर दंपती और उनके परिजनों का आरोप है कि सतवास तहसीलदार द्वारा उनके साथ भेदभावपूर्ण रवैया अपनाया गया और उन्हें जानबूझकर परेशान किया जा रहा था। फिलहाल क्षेत्र खबर लिखे जाने तक क्षेत्र में तनाव का माहौल बना हुआ था। प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

अंतरराष्ट्रीय निवेश का नया केंद्र बना उज्जैन, स्थानीय उत्पादों का हो रहा वैश्विक निर्यात

- एमपीआईडीसी ने कराया विक्रम उद्योगपुरी का भ्रमण
- 2 साल बेमिसाल की शानदार झलक

नवभारत न्यूज

उज्जैन. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उद्योग-अनुकूल नीतियों और दूरदर्शी नेतृत्व का प्रभाव अब उज्जैन जिले में स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है. अंतरराष्ट्रीय बहुराष्ट्रीय कंपनियां मध्यप्रदेश, विशेषकर उज्जैन को निवेश के लिए नई पसंद के रूप में देख रही हैं. मुख्यमंत्री डॉ यादव के जिस प्रकार से 2 साल बेमिसाल हुए हैं उसमें विक्रम उद्योग पुरी का सबसे अहम रोल है.

विक्रम उद्योगपुरी, देवास औद्योगिक क्षेत्र, मेडिकल डिवाइस पार्क और आगर मालवा औद्योगिक पार्क में स्थापित फैक्ट्रियों में निर्मित उत्पाद अब देश के साथ-साथ विदेशों तक निर्यात किए जा रहे हैं.

विक्रम उद्योगपुरी से खुली समृद्धि की राह

मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम के अनुसार दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के अंतर्गत ग्राम नरवर में 350 करोड़ रुपये की लागत से 773 एकड़ क्षेत्र में विकसित विक्रम उद्योगपुरी में किसानों को भूमि के बदले 450 करोड़ रुपये की राशि दी गई, वहीं 250 करोड़ रुपये का विशेष पैकेज अतिरिक्त रूप से प्रदान किया गया. इस प्रकार किसानों को कुल 700 करोड़ रुपये से अधिक का लाभ मिला, जिससे वे संतुष्ट हैं. यहां 109 भूखंडों में से 91 का आवंटन हो चुका है और पेप्सिको, अमूल, वोल्वो-आयशर, फेना, इस्कॉन बालाजी सहित कई प्रतिष्ठित इकाइयां उत्पादन शुरू कर चुकी हैं. बढ़ती मांग को देखते हुए विक्रम उद्योगपुरी फेज-2 को 472.24 हेक्टेयर में विकसित करने की तैयारी है.

अमेरिका, कनाडा तक का निवेश-विक्रम उद्योगपुरी में अमेरिका की आरपीएसपीएल प्राइवेट लिमिटेड, पेप्सीको इंडिया होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड और ऑस्ट्रेलिया की प्लेग्रो टॉयज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने अपने प्लांट स्थापित किए हैं. वहीं जर्मनी की वोल्वो-आयशर कंपनी भी यहां उत्पादन कर रही है. देवास औद्योगिक क्षेत्र में जापान की सेनओह इंडिया लिमिटेड और स्पेन की रोका सेनेटरी प्राइवेट लिमिटेड के प्लांट कार्यरत हैं. मेडिकल डिवाइस पार्क में अमेरिका की क्लीनिसप्लाइज प्राइवेट लिमिटेड और दक्षिण कोरिया की ई-फाइबर प्राइवेट लिमिटेड ने उत्पादन इकाइयां स्थापित की हैं. इसके अलावा आगर मालवा औद्योगिक पार्क में कनाडा की मेककेन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड सक्रिय है.

प्रत्येक उत्पादों की कंपनियां खुलीं

इन अंतरराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा व्हिप्ड क्रीम, बेवरेजेस, खिलौने, ऑटोमोबाइल पार्ट्स, सेनेटरी वेयर, मेडिकल डिवाइसेज, कैंसर डिटेक्शन किट और फ्रेंच फ्राइज जैसे उत्पादों का निर्माण किया जा रहा है, जिनका निर्यात अमेरिका, यूक्रेन, रूस, कोरिया, कनाडा, सिंगापुर सहित अन्य देशों को हो रहा है. इनके साथ-साथ अमूल इंडिया, इस्कॉन बालाजी, बेस्ट लाइफस्टाइल, सन फार्मास्यूटिकल्स और आईपीसीए लैबोरेट्रीज जैसी भारतीय कंपनियों के उत्पाद भी उज्जैन, देवास और रतलाम से विदेशों तक पहुंच रहे हैं.

दो साल में 16 हजार करोड़ का निवेश-पिछले दो वर्षों में जिले में लगभग 16,400 करोड़ रुपये का निवेश आया है. इससे 15,500 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष और 25 हजार से अधिक को अप्रत्यक्ष रोजगार मिलने की संभावना है. जिले के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में 246 औद्योगिक इकाइयों को भूमि आवंटित की जा चुकी है, जिनमें से 48 इकाइयों ने उत्पादन भी प्रारंभ कर दिया है.

एमओयू हुए, धरातल पर उतरे प्रोजेक्ट-भोपाल में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर समिट और उज्जैन में हुए रीजनल इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव के साथ-साथ दुबई, स्पेन, टोक्यो, जर्मनी और यूके में किए गए अंतरराष्ट्रीय रोड-शो तथा देश के प्रमुख औद्योगिक शहरों में हुए निवेश संवादों के सकारात्मक परिणाम अब जमीन पर दिखाई देने लगे हैं. ग्रोथ समिट के माध्यम से जिले में 2,593 करोड़ रुपये के निवेश से जुड़ी 15 औद्योगिक इकाइयों के भूमिपूजन एवं लोकार्पण प्रस्तावित हैं, जिनसे 4,176 से अधिक रोजगार के अवसर सृजित होंगे.

गारमेंट, मेडिकल डिवाइस और आईटी हब की ओर उज्जैन-नागझिरी और नवाखेड़ा में वस्त्र एवं परिधान उद्योग के विस्तार से उज्जैन को गारमेंट हब के रूप में पहचान मिली है, जहां 90 प्रतिशत से अधिक महिलाएं कार्यरत हैं. वहीं 360 एकड़ में विकसित मेडिकल डिवाइस पार्क में 66 इकाइयों को भूमि आवंटित की गई है, जिनसे हजारों रोजगार सृजित होंगे.

छेड़छाड़ के बाद महीदपुर रोड में तनाव

- बजरंग दल ने आरोपी की पिटाई कर पुलिस को सौंपा

नवभारत न्यूज

महिदपुर। युवतियों से छेड़छाड़ के मामले रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। वहीं हिन्दू संगठन के कार्यकर्ता भी अपनी सक्रियता से मामलों को पकड़कर पुलिस के समक्ष पेश कर रहे हैं।

ऐसा ही एक मामला महिदपुर रोड में 16 वर्षीय लड़की के साथ छेड़छाड़ का आया है। इसमें ऑटो चालक जुबेर मंसूरी को बजरंग दल ने पकड़ा। तनाव के बाद महिदपुर रोड बंद रहा। आरोपी लंबे समय से नाबालिग को कोचिंग भेजने के लिए ले जाता था। पुलिस ने बताया कि आरोपी के मोबाइल फोन से कुछ संदिग्ध वीडियो मिले हैं, जिनकी जांच जारी है। इधर कार्यकर्ताओं ने बुधवार सुबह आरोपी का जुलूस निकालने और उसका घर तोड़ने की मांग करते हुए नगर बंद करा दिया। इसके साथ ही उन्होंने सभी स्कूलों में लगे वाहनों में संदिग्ध ड्राइवरों को हटाने की मांग करते हुए नारेबाजी की। सबसे चौंकाने वाली बात तो यह है कि आरोपी के पास से कुल 20 महिलाओं के वीडियो मिले हैं। जिनमें से 12 महिलाएं महिदपुर की हैं और 8 अन्य महिलाएं आसपास के क्षेत्रों की हैं।

इनका कहना है...

महिदपुररोड में एक घटनाक्रम हुआ था, जिसमें पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को पकड़कर सुबह न्यायालय के सक्षम पेश भी कर दिया है। इस मामले में जो भी सख्त कार्रवाई होगी हम करेंगे।

- जेंडन लिंगजेरपा, एसडीओपी महिदपुर

राशन दुकानों से अब किराने का सामान भी मिलेगा

- मुख्यमंत्री पोषण मार्ट योजना शुरू करने की तैयारी
- खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 24 दिसंबर. आने वाले दिनों में राशन की दुकानें किराने की दुकान में भी तब्दील हो सकती हैं, जहां खाने-पीने का सामान तो मिलेगा ही, दैनिक उपयोग में काम आने वाली सामग्री भी मिल सकेगी. इसके लिये राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री पोषण मार्ट योजना तैयार कर ली है, अब इस पर अमल किया जाएगा.

यह जानकारी बुधवार को प्रदेश के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने पत्रकार वार्ता के दौरान दी. उन्होंने इस दौरान विभाग की दो वर्ष की उपलब्धियों का ब्यौरा भी दिया. राजपूत ने बताया कि राशन की दुकानों पर विविध पोषण सामग्री सहित दैनिक उपयोग की अन्य सामग्री की सुविधा उपलब्ध कराने के लिये उसे जन पोषण केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा. राशन दुकानों में बुजुर्गों और दिव्यांगों को राशन लेने में हो रही दिक्कतों को लेकर मंत्री ने कहा कि यदि बुजुर्ग के परिवार का कोई भी सदस्य जिसे बुजुर्ग राशन लेने के लिये अधिग्रहित कर देंगे, उनको भी राशन देने की व्यवस्था की जाएगी, इसी तरह अंगूठे के निशान लगाने से पहचान की समस्या पर उन्होंने कहा कि राशन की दुकानों पर हाथ के अंगूठे के साथ आंखों को स्कैन करके खाद्यान्न पर्ची को पीओएस मशीन से लिंक किया जाएगा.

अनाज भंडारण की रियल टाइम मॉनीटरिंग

राजपूत ने बताया कि वेयरहाउसिंग व्यवस्था को बेहतर करने के लिए वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन द्वारा नमी मापक, फ्यूमिगेशन एवं निरीक्षण से संबंधित तीन मोबाइल ऐप विकसित किए गए हैं, जिससे अनाज भंडारण की रियल टाइम मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जा रही है. किसान हित में विभाग द्वारा समर्थन मूल्य पर गेहूं एवं धान की खरीदी की गई. लगभग 28 लाख किसानों से फसल खरीदी कर 51 हजार करोड़ रुपये का भुगतान किया गया. गेहूं की खरीदी में 175 रुपये प्रति क्विंटल बोनस देकर 2600 रुपये प्रति क्विंटल की दर से भुगतान किया गया. उन्होंने बताया कि हमने 2700 रुपये प्रति क्विंटल देने का वादा किया है, ये वादा पांच वर्ष के लिये किया था, लेकिन उससे पहले ही हम उससे भी अधिक तक पहुंच जाएंगे. उन्होंने बताया कि सिंहस्थ 2028 के लिए मेला क्षेत्र में राशन एवं गैस आपूर्ति की बेहतर व्यवस्था किए जाने की कार्य योजना भी तैयार की गई है.

पेज एक का शेष...

आज दो लाख करोड़ के निवेश के लिये जमीन आवंटन होगा

'अभ्युदय मध्यप्रदेश ग्रोथ समिट में 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों के लिए भूमि आवंटन किया जाएगा। इसके साथ ही 10,000 करोड़ रुपये से अधिक की औद्योगिक परियोजनाओं का भूमि-पूजन और लोकार्पण किया जाएगा। इससे प्रदेश में विकासात्मक गतिविधियों को और अधिक गति मिलेगी। अटलजी की जयंती पर आयोजित इस ग्रोथ समिट से प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर होगा। निवेश से रोजगार - अटल संकल्प, उज्ज्वल मध्यप्रदेश की थीम पर आधारित इस समिट में विगत 2 वर्षों में प्रदेश में हुए औद्योगिक विस्तार, निवेश उपलब्धियों और रोजगार सृजन के वास्तविक परिणामों को सबके साथ साझा किया जाएगा। इस समिट से आने वाले वर्षों में विकास की नई दिशा भी तय की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में स्थानीय लोगों के समग्र विकास के लिये उन्हें सीधे रोजगार और आजीविका से जोड़ने के लिए ग्रोथ समिट का आयोजन किया जा रहा है। इस समिट से नए औद्योगिक क्षेत्र, क्लस्टर और प्लग-एंड-प्ले इकाइयों की शुरुआत से स्थानीय स्तर पर उद्योगों की स्थापना को बढ़ावा मिलेगा। इससे युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। समिट में भूमि-पूजन और लोकार्पण के साथ भूमि आवंटन और आशय-पत्र भी वितरित किए जाएंगे। इस अवसर पर रोजगार उपलब्ध कराने वाली औद्योगिक इकाइयों की स्थापना एवं संचालन करने वाले निवेशकों को सम्मानित किया जाएगा। समिट में युवाओं से संवाद भी किया जाएगा। संभाग स्तर पर औद्योगिक भूमि आवंटन से जुड़ी महत्वपूर्ण घोषणाएँ भी की जाएँगी, जिससे क्षेत्रीय विकास को गति मिलेगी।

उद्योग जगत की सहभागिता: ग्रोथ समिट में देश के प्रतिष्ठित उद्योगपति और औद्योगिक संस्थाओं के प्रतिनिधि शामिल होंगे। इनमें गोदरेज इंडस्ट्रीज, गौतम सोलर, हीडलबर्ग सीमेंट, एलएनजे भीलवाड़ा समूह, जेके टायर, टोरेंट पावर, मैकेन फूड, एलिक्सर इंडस्ट्रीज, ग्रीनको, जुपिटर वैगन्स, डाबर इंडिया, वर्धमान समूह, गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड जैसे प्रमुख औद्योगिक समूहों के प्रतिनिधि भाग लेंगे।

प्रदर्शनी भी लगेगी: कार्यक्रम स्थल पर अटलजी के जीवन, विचारों और विकास दृष्टि पर आधारित विशेष प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी। इसके साथ ही प्रदेश में बीते 2 वर्षों में हुए औद्योगिक सुधारों, निवेश प्रयासों और रोजगार उपलब्धियों को दर्शाने वाली प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी, जिससे मध्यप्रदेश की औद्योगिक यात्रा को एक ही स्थान पर देखा जा सकेगा। समारोह में उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री एदल सिंह कंषाना, ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला, एमएसएमई मंत्री चेतन्य काश्यप, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग सहित अन्य कैबिनेट मंत्री उपस्थित रहेंगे।

भारत सरकार Government of India
भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र
Bhabha Atomic Research Centre
मानव संसाधन विकास प्रभाग
Human Resource Development Division

एचबीएनआई, एक मानद विश्वविद्यालय के तत्वावधान में जुलाई-2026 से आरंभ होने वाले परमाणु ऊर्जा विभाग के डी. डी. एफ. एस. कार्यक्रम में प्रवेश कर, पी एच डी करने के लिए इंजीनियरिंग स्नातकोत्तरों से आवेदन आमंत्रित किया जाता है।

चयन एक द्वि चरणीय प्रक्रिया है: 1. ऑनलाइन कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) और स्नातकोतर शैक्षणिक रिकॉर्ड के माध्यम से चयन साक्षात्कार के लिए स्क्रीनिंग और 2 चयन साक्षात्कार में प्रदर्शन अंतिम चयन केवल चयन साक्षात्कार में योग्यता के आधार पर किया जाएगा। मैकेनिकल, केमिकल, मेटलर्जिकल / मैटेरियल्स, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स, कंप्यूटर, इंस्ट्रूमेंटेशन और सिविल इंजीनियरिंग में एम.ई/एम.टेक / समकक्ष डिग्री वाले अभ्यर्थियों से केवल ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। एमसीए / आईटी डिग्री वाले अभ्यर्थी पात्र नहीं हैं। चयनित छात्रों को एचबीएनआई के पांच संघटक संस्थानों (सीआई) भापअ केंद्र (बार्क) मुंबई, आई.जी. सी. ए. आर. कल्पाक्कम, आईपीआर गांधीनगर. आर. आर. सी. ए. टी. इंदौर एवं वीईसीसी कोलकाता में से एक में प्रवेश दिया जाएगा। चयनित छात्रों को 80,000/- रुपये प्रति माह की अध्येतावृति और 60,000/- रुपये का वार्षिक आकस्मिक अनुदान दिया जाएगा। डीडीएफएस अभ्यर्थियों (केवल शोध छात्रों) के लिए सीएचएसएस के तहत चिकित्सा लाभ भी उपलब्ध हैं। पीएचडी कार्यक्रम के दौरान छात्रावास में रहना अनिवार्य है।

अर्हता डिग्री: अभ्यर्थियों को भारत का नागरिक होना चाहिए और एम.ई./एम. टेक / समकक्ष डिग्री के साथ-साथ बी.ई./बी. टेक में न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक प्रतिशत (या 10.0 या समकक्ष के पैमाने पर न्यूनतम 6.0 सीजीपीए) होने चाहिए। एम.ई./एम. टेक के अंतिम सेमेस्टर के अभ्यर्थी भी आवेदन कर सकते हैं, लेकिन यदि ऐसे अभ्यर्थियों का चयन किया जाता है, तो उन्हें 31 दिसंबर, 2026 तक अपनी मास्टर डिग्री के प्रमाण पत्र और अंक पत्र उपलब्ध कराने होंगे।

आयु सीमा: 1 अगस्त, 2026 को आयु सीमा 28 वर्ष है अतः सामान्य श्रेणी के अभ्यर्थी का जन्म 1 अगस्त, 1998 को या उसके बाद हुआ होना चाहिए। आयु सीमा में ओबीसी एनसीएल के लिए तीन वर्ष और एससी/एसटी आवेदकों के लिए पांच वर्ष की छूट है। सभी श्रेणियों के दिव्यांग व्यक्ति (40 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांग) के लिए 10 वर्ष की अतिरिक्त आयु छूट के लिए पात्र हैं।
ऑनलाइन आवेदन करने के लिए, https://www.barcocesexam.com को देखते रहें।

* ऑनलाइन आवेदन पॉर्टल आरंभ होने की तिथि: 22 दिसंबर, 2025
* स्क्रीनिंग परीक्षा (सीबीटी) 14 एवं 15 मार्च 2026 *
* आवेदन की अंतिम तिथि: 21 जनवरी, 2026*
* चयन साक्षात्कार: जून 2026

* सभी तिथियां संभावित तिथियां हैं और अभ्यर्थियों को अद्यतन सूचना के लिए नियमित रूप से https://www.barcocesexam.in वेबसाइट को देखते रहें।

CBC48103/12/0009/2526

यात्रा | नवविवाहित अभिमन्यु-इशिता 15 दिन में ओंकारेश्वर से खंभात की खाड़ी तक करेंगे यात्रा

ओंकारेश्वर से नर्मदा परिक्रमा पर निकले सीएम के बेटा-बहू

नव भारत न्यूज

इंदौर. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के छोटे बेटे डॉ. अभिमन्यु यादव अपनी धर्मपत्नी डॉ. इशिता के साथ नर्मदा परिक्रमा पर निकले हैं. सोमवार 22 दिसंबर को दोनों ने ओंकारेश्वर से विधिवत नर्मदा यात्रा की शुरूआत की. उनके साथ परिवार के अन्य सदस्य भी परिक्रमा में शामिल हैं.

डॉ. अभिमन्यु ने बताया कि नर्मदा परिक्रमा पौष मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि से शुरू की गई है. यह यात्रा पूरी तरह श्रद्धा और आस्था से जुड़ी है और इसमें किसी तय समय सीमा का मन में संकल्प नहीं रखा है. अनुमान है कि परिक्रमा करीब 15 दिनों में पूर्ण होगी.

परिक्रमा का मार्ग ओंकारेश्वर से शुरू होकर महेश्वर, बड़वानी, राजपीपला, गरुड़ेश्वर (स्टैच्यू ऑफ यूनिटी क्षेत्र), भरूच होते हुए नर्मदा सागर संगम खंभात की खाड़ी तक रहेगा. यात्रा के दौरान नर्मदा तट के प्रमुख तीर्थ स्थलों के दर्शन किए जाएंगे. डॉ. अभिमन्यु ने बताया कि समय की सीमा के चलते पैदल परिक्रमा संभव नहीं हो पाई, लेकिन मन में मां नर्मदा के दर्शन और तटों से आशीर्वाद लेने की तीव्र इच्छा थी. इसी भावना के साथ यह परिक्रमा शुरू की गई है. उनका कहना है कि यह यात्रा किसी योजना से ज्यादा श्रद्धा का विषय है और सब कुछ मां नर्मदा के आशीर्वाद पर छोड़ा है.